कक्षा 12 राजनीति विज्ञान

ANSWER SET–9

✦ खंड – क : बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर

1. (ख) इसमें विचारधाराओं का संघर्ष था
2. (ग) स्वतंत्र विदेश नीति अपनाने हेतु
3. (ख) शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व पर
4. (ग) परमाणु हथियारों से
5. (ग) आपातकालीन शक्तियों से
6. (ग) केंद्र–राज्य सहयोग
7. (ग) लोकतांत्रिक विकेंद्रीकरण
8. (ग) लोकसभा के प्रति
9. (ग) 1985
10. (ग) 1989
11. (ग) संघीय लोकतंत्र को
12. (ग) केवल स्थायी सदस्यों को
13. (ग) स्वतंत्र राष्ट्रीय निर्णय
14. (ग) 1993
15. (ख) कार्यकाल की सुरक्षा से
16. (ग) 11
17. (ग) राज्य के लिए मार्गदर्शक
18. (ख) परामर्शात्मक
19. (ग) जनभागीदारी
20. (ग) अनेक अंतरराष्ट्रीय मंचों से

✦ खंड – ख : अति लघु उत्तरीय प्रश्न

21. शीत युद्ध से आप क्या समझते हैं?

अमेरिका और सोवियत संघ के बीच वैचारिक एवं राजनीतिक तनाव की स्थिति।

22. गुटनिरपेक्ष आंदोलन का एक लक्ष्य

विश्व शांति और स्वतंत्र विदेश नीति।

23. परमाणु प्रतिरोध सिद्धांत का अर्थ

परमाणु शक्ति के भय से युद्ध रोकना।

24. समवर्ती सूची से क्या तात्पर्य है?

वे विषय जिन पर केंद्र और राज्य दोनों कानून बना सकते हैं।

25. आपातकाल का एक प्रभाव

केंद्र की शक्तियों में वृद्धि।

26. संसदीय शासन की एक विशेषता

कार्यपालिका संसद के प्रति उत्तरदायी होती है।

27. दल-बदल कानून क्यों आवश्यक था?

राजनीतिक अस्थिरता रोकने हेतु।

28. क्षेत्रीय दल का एक उदाहरण

तेलुगु देशम पार्टी।

29. UNSC का एक प्रमुख कार्य

अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा बनाए रखना।

30. रणनीतिक स्वायत्तता का अर्थ

स्वतंत्र विदेश नीति निर्णय क्षमता।

✦ खंड – ग : लघु उत्तरीय प्रश्न (I)

31. शीत युद्ध के दो अंतरराष्ट्रीय प्रभाव

1. विश्व दो गुटों में विभाजित हो गया।

2. हथियारों की होड़ और क्षेत्रीय संघर्ष बढ़े।

32. गुटनिरपेक्ष आंदोलन की दो उपलब्धियाँ

1. विकासशील देशों को एक मंच प्रदान किया।
2. उपनिवेशवाद के विरुद्ध समर्थन दिया।

33. भारतीय संघवाद में केंद्र की दो शक्तियाँ

1. अवशिष्ट शक्तियाँ केंद्र के पास।
2. आपातकाल घोषित करने का अधिकार।

34. गठबंधन सरकारों के बनने के दो कारण

1. किसी दल को पूर्ण बहुमत न मिलना।
2. क्षेत्रीय दलों का उदय।

35. क्षेत्रीय दलों के राष्ट्रीय राजनीति पर प्रभाव

संघवाद को मजबूत किया और स्थानीय मुद्दों को राष्ट्रीय एजेंडा बनाया।

36. संयुक्त राष्ट्र महासभा के कार्य

अंतरराष्ट्रीय चर्चा का मंच, बजट पारित करना, महासचिव की नियुक्ति में भागीदारी।

✦ खंड – घ : लघु उत्तरीय प्रश्न (II)

37. शीत युद्ध के दौरान अंतरराष्ट्रीय संबंधों की प्रकृति

विश्व राजनीति द्विध्रुवीय रही। शक्ति संतुलन और परमाणु प्रतिरोध ने प्रत्यक्ष युद्ध रोका, पर क्षेत्रीय संघर्ष बढ़े।

38. भारतीय संघवाद में केंद्र–राज्य संबंधों का विश्लेषण

संविधान द्वारा शक्तियों का विभाजन है। सामान्य स्थिति में राज्य स्वायत्त हैं, पर आपातकाल में केंद्र की प्रधानता होती है।

39. गठबंधन राजनीति के लाभ एवं सीमाएँ

लाभ – व्यापक प्रतिनिधित्व, समावेशिता।
सीमाएँ – अस्थिरता, नीति-निर्माण में कठिनाई।

40. संयुक्त राष्ट्र संघ की प्रासंगिकता

विश्व शांति, मानवाधिकार और विकास में महत्वपूर्ण भूमिका, परंतु वीटो प्रणाली सुधार योग्य है।

✦ खंड – ङ : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

41. गुटनिरपेक्ष आंदोलन की उत्पत्ति, उद्देश्य और वर्तमान चुनौतियाँ

गुटनिरपेक्ष आंदोलन का उद्भव शीत युद्ध के दौरान नवस्वतंत्र देशों द्वारा स्वतंत्र विदेश नीति अपनाने हेतु हुआ। 1961 के बेलग्रेड सम्मेलन में इसका औपचारिक गठन हुआ।

उद्देश्य – उपनिवेशवाद का विरोध, विश्व शांति और स्वतंत्र नीति।
वर्तमान चुनौतियाँ – सदस्य देशों के मतभेद, बदलती वैश्विक राजनीति, आर्थिक निर्भरता।

फिर भी यह विकासशील देशों के लिए महत्वपूर्ण मंच है।

42. भारतीय लोकतंत्र में राजनीतिक दलों की भूमिका (समालोचनात्मक अध्ययन)

राजनीतिक दल लोकतंत्र के आधार हैं। वे चुनाव लड़ते हैं, सरकार बनाते हैं और नीतियाँ बनाते हैं।

सकारात्मक पक्ष – प्रतिनिधित्व, नीति-निर्माण, लोकतांत्रिक भागीदारी।
नकारात्मक पक्ष – दल-बदल, भ्रष्टाचार, आंतरिक लोकतंत्र की कमी।

निष्कर्षतः, राजनीतिक दल आवश्यक हैं, पर सुधार आवश्यक है।